CDS ने सशस्त्र बलों के लिये 3 संयुक्त सिद्धांत

[स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स](#)

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने सशस्त्र बलों के लिये **भूमि, समुद्र, वायु, अंतरिक्ष और साइबर डोमेन में एकीकरण,** अंतर-संचालन और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाने हेतु **3 संयुक्त सिद्धांत जारी** किये हैं।

- **विशेष बल संचालन के लिये संयुक्त सिद्धांत:** इसका उद्देश्य अर्द्ध विशेष बल (सेना), समुद्री कमांडो (MARCOS) (नौसेना) और गरुड़ कमांडो बल (IAF) की अंतर-संचालनीयता सुनिश्चित करना है।
  - **उत्कृष्टता केंद्र के रूप में संयुक्त सेवा प्रशिक्षण संस्थानों (JsSTIs)** की सिफारिश की गई।
  - यह रात्रिकालीन अभियानों, प्रतिकूल मौसम मिशनों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और सटीक निर्देशित युद्ध सामग्री समर्थन के लिये उन्नत संयुक्त प्रशिक्षण पर केंद्रित है।
- **हवाई और हेलीबोर्न परिचालनों के लिये संयुक्त सिद्धांत:** उन्नत प्रौद्योगिकी के एकीकरण, **संयुक्त सेवा प्रशिक्षण तथा सामरिक तालमेल पर जोर** दिया गया है।
  - **शांतिकालीन मुठभेड़ों से लेकर उच्च तीव्रता वाले संघर्षों तक तत्परता सुनिश्चित** करता है।
- **बहु-क्षेत्रीय संचालन (MDO) सिद्धांत:** यह भूमि, समुद्र, वायु, अंतरिक्ष, साइबर और संज्ञानात्मक क्षेत्रों में एकीकरण को कवर करता है। इसका **उद्देश्य निर्णय लेने की क्षमता को सशक्त बनाना तथा युद्धक्षेत्र** में जवाबदेही को बढ़ाना है।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ

- CDS भारत में सर्वोच्च रैंक वाला सैन्य अधिकारी है, जो **तीनों सेनाओं के सभी मामलों पर रक्षा मंत्री के प्रमुख सैन्य सलाहकार के रूप में कार्य करता है** और सैन्य मामलों के विभाग (DMA) का प्रमुख होता है।
  - यह पद तीनों सेवाओं - सेना, नौसेना और वायु सेना के बीच संयुक्तता और समन्वय बढ़ाने के लिये बनाया गया था।
- CDS चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी का स्थायी अध्यक्ष और [रक्षा अधिग्रहण परिषद](#) का सदस्य होता है।

और पढ़ें: [अंतर-सेवा संगठन नियम 2025](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cds-released-3-joint-doctrines-for-armed-forces